एमएसएमई - विकास संस्थान, राँची

हिन्दी कार्यशाला का कार्यवृत्त

एमएसएमई-विकास संस्थान, राँची द्वारा दिनांक -12 मार्च, 2021 को हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संयुक्त निदेशक सह कार्यालय प्रमुख डॉ. एस. के. साहू ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस कार्यशाला का आयोजन स्वास्थ्य विभाग, झारखंड सरकार द्वारा जारी कोविड-19 के दिशा- निर्देशों के अंतर्गत सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन करते हुए किया गया। श्री प्रमोद कुमार, वरिष्ठ हिन्दी अनुवादक ने कार्यशाला में अपने स्वागत संबोधन में सभी प्रतिभागियों तथा अतिथि वक्ता का अभिनंदन किया। अतिथि वक्ता डॉ. प्रेमी मोनिका तोपनो, सहायक प्रोफेसर, हिन्दी विभाग, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, मोराबादी, रांची का स्वागत कार्यालय प्रमुख महोदय द्वारा पुस्तक भेंट करके किया गया। तत्पश्चात् नामित राजभाषा अधिकारी श्रीमती नीतू, सहायक निदेशक ने हिन्दी कार्यशाला के उद्देश्य पर प्रकाश डाला तथा सभी प्रतिभागियों को ध्यानपूर्वक अतिथी वक्ता के वक्तव्य का लाभ लेने हेतु आवाहन किया।

कार्यालय प्रमुख महोदय ने सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को हिन्दी के महत्व एवं इसके व्यवहारिक प्रयोग में आने वाली कठिनाईयों का वर्णन करते हुए इसके सरल प्रयोग के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को हिन्दी में अधिकाधिक कार्य करने एवं टिप्पण लेखन हेतु प्रोत्साहित किया।

अतिथि वक्ता डॉ. प्रेमी मोनिका तोपनो, सहायक प्रोफेसर ने कार्यालयीन कार्यों में हिन्दी भाषा के विकास एवं आज के मानक रूप तक की यात्रा पर बहुत ही उपयोगी जानकारी रोचक ढंग से प्रस्तुत किया। उन्होंने कार्यालयीन पत्राचार के प्रकार एवं उनके प्रारुपों के बारे में सोदाहरण चर्चा की। उन्होंने कार्यालय में राजभाषा हिंदी के नियमों के अनुपालन के लिए ध्यान देने योग्य बिंदुओं पर प्रकाश डालते हुए अच्छी गुणवत्ता के टिप्पण एवं प्रारुप लेखन हेतु सबको प्रोत्साहित किया। टिप्पण लेखन हेतु उन्होंने शब्दों के चयन को बहुत ही महत्वपूर्ण बताया साथ ही समझाया कि टिप्पण संक्षिप्त, सारगर्भित एवं अर्थपूर्ण होना चाहिए। उन्होंने हिन्दी अनुवाद में ध्यान देने योग्य बातों एवं अच्छे अनुवाद की विशेषताओं के बारे में संक्षिप्त चर्चा की।

कार्यालय के सभी अधिकारियों/कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया एवं अपने विचार व्यक्त किए। अतिथी वक्ता ने प्रतिभागियों द्वारा पुछे गए प्रश्नों का उत्तर देते हुए उनकी शंकाओं का उचित समाधान किया। उन्होंने बताया की हिन्दी के विकास में सबसे बड़ी बाधा जनमानस का अंग्रेजी के मोह से ग्रसित होना है, हिन्दी के उज्ज्वल भविष्य हेतु लोगों को अपनी मानसिकता में बदलाव लाने की आवश्यकता है।

अंत में वरिष्ठ हिन्दी अनुवादक, श्री प्रमोद कुमार ने कार्यालय प्रमुख, नामित राजभाषा अधिकारी, अतिथी वक्ता एवं कार्यशाला में उपस्थित अन्य सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हिन्दी कार्यशाला के दौरान उत्साहपूर्ण भागीदारी एवं सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया ।

हिन्दी कार्यशाला (12 मार्च, 2021) के आयोजन से संबंधित कुछ छायाचित्र /झलकियां

अतिथी वक्ता का पुस्तक भेंट करके स्वागत

संयुक्त निदेशक सह कार्यालय प्रमुख का संबोधन

नामित राजभाषा अधिकारी का संबोधन

अतिथी वक्ता की प्रस्तुती

हिन्दी कार्यशाला में भाग लेते हुए प्रतिभागी

हिन्दी अनुवादक द्वारा धन्यवाद ज्ञापन